अखिल भारतीय गांधर्व महाविद्यालय मंडल, मुंबई.

परीक्षा सत्र : नवम्बर-दिसम्बर 2022

परीक्षा का नाम : अलंकार प्रथम (द्वितीय प्रश्नपत्र)

विषय : तबला-पखावज

दि. 20/11/2022 समय : 3 घंटे (दोपहर 2 से 5) कुल अंक : 100

सूचना : 1) कोई पाँच प्रश्नों के उत्तर लिखिए ।
2) सभी प्रश्न के अंक समान है ।

प्रश्न 1. अ) उचित शब्द चुनकर रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिये। (10)

1) वर्ण या मात्रा के अनुसार पद रचना करने की व्यवस्था को ------- कहते है।
(गीत, छंद, कविता)

2) किसी तिहाई को अंतिम 'धा' सहित तीन बार प्रस्तुत करते है उसे ---------- कहते है।
(चक्रदार तिहाई, तोडा, नवहक्का)

3) जिस बंदिश मे विभिन्न लयकारी युक्त तीन पल्लों का समावेश होता है उसे ---------- कहते है।
(तिहाई, त्रिवट, तिपल्ली)

4) ''तकिटत काऽकिट'' का निकास ---------- इस प्रकार होता है।
(कतिटकताऽतिट, तिरकिटतकताऽ, तकतिर किटतक)

5) ''धुमकिट'' का निकास ---------- इस प्रकार होता है।
(घेनातिट, धागेतिट, गदितिट)

6) ध्रुपद-धमार गायन के लिये ---------- इस तालवाद्य की संगत उपयुक्त है।
(मृदंगम्, पखावज, खोल)

7) तबला / पखावज वादन मे बंदिशों की लय की प्रवृत्ति तथा प्रवाही गुणों के सिध्दोंतों को ---------- कहते है।
(यति, रेला, रौ)

8) पखावज पर बजाये जानेवाली जिस रचना मे ईश्वर के गुणों का वर्णन हो उसे ---------- कहते है।
(भजन, गायन, स्तुतिपरन)

9) मृदंग के आकार को ध्यान मे रखकर बनायी गयी रचना को ------- कहते है।
(मृदंगा यति, समा यति, स्त्रोतावहा यति)

10) 'रेला' के समान परंतु अधिक आवर्तनों की लम्बी रचना को ------- कहते है।
(चक्रदार, पडार, पल्टे)

ब) एक या दो वाक्य मे उत्तर लिखिये। **(10)**

1) स्वतंत्र वादन मे कायदे को अधिक महत्त्व क्यों दिया जाता है?
2) बंदिशों की भाषा समझने के लिये क्या उसकी पढंत करना आवश्यक है?
3) विभिन्न वर्ण के संयोजन से बनने वाले विशिष्ट शब्दसमूह की पढंत और निकास मे अंतर क्यों होता है?
4) घरानेदार बंदिशों की पढंत करते समय किन बातों पर ध्यान देना चाहिये?
5) 'गत' की विशेषता किस घराने मे अधिक पायी जाती है?

प्रश्न 2 अ) विस्तृतासे लिखे। (उदाहरण दिजिए।) **(10)**

तबला के विद्यार्थी :
एकल तबला वादन में 'पेशकार' का स्थान एवम् महत्व।

पखावज के विद्यार्थी
एकल पखावज वादन में 'रेला' का स्थान एवम् महत्व। **(10)**

ब) 'पढंत एक महत्वपूर्ण सौंदर्यतत्व' इस विषय पर अपने विचार प्रकट किजिए। **(10)**

प्रश्न 3 धमार अथवा रूपक ताल मे किसी भी दो घरानेदार बंदिशों को लिपिबध्द करे तथा उनकी विशेषता और सौदर्यतत्वोंका विश्लेषण करे। (20)

प्रश्न 4 निम्नलिखित मे से किसी चार संयुक्त वर्णो की निकास विधि लिखिये तथा पढंत और निकास मे अंतर स्पष्ट कीजिये। (20)

धिननक, धुमकिट, किटतक, धडउन्न, धिडनग, थुंगा

प्रश्न 5 निम्नलिखित मे से किसी दो गायनशैलियों की साथ-संगत सहित जानकारी दीजिये तथा इसमे प्रयुक्त होनेवाले तालों के ठेके को लिपि बध्द करे। (20)

1) धमार 2) ठुमरी 3) ख्याल

प्रश्न 6 निम्नलिखित मे से किसी एक विषयपर विस्तार से निबंध लिखिये। (20)

1) तबला / पखावज की बंदिशोंकी भाषा का उद्‌गम और विकास।
2) तबला / पखावज वादन के रियाज की विभिन्न पध्दतियाँ।
3) मसीतखानी और रजाखानी।

प्रश्न 7 निम्नलिखित मे से किसी दो वादक कलाकारोंका जीवन चरित्र लिखिये। (20)

1) उ.मेहबूबखाँ मिरजकर
2) पं.चतुरलाल
3) उ.शेख दाऊद
4) पं.नाना पानसे
5) पं.भवानीदास
6) पं.कुदऊसिंह